खबर संक्षेप

विवेकानंद पैरामेडिकल कॉलेज में पर्यावरण दिवस पर हुआ वृक्षारोपण

शहडोल। सत्यम कल्याण सेवा समिति द्वारा संचालित विवेकानंद पैरामेडिकल कॉलेज में पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।इस अवसर पर राष्ट्रीय केसरवानी युवा जागृति मंच के राष्ट्रीय संयोजक ऋतुराज गुप्ता, अमर गुप्ता, कॉलेज के प्राचार्य हरीश गुप्ता, प्रो. राजकिशोर दुबे, प्रो. डॉ. नम्रता पटेल, प्रो. प्रियंका गुप्ता, डेमोंस्ट्रेटर हेमंत राठौर, प्रियंका लोधी, हर्षित मिश्रा, सुधा राठौर, प्रियंका तिवारी, एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ मनीष गुप्ता, विधिक सलाहकार विजय कुमार गुप्ता सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण किया। सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं हरित वातावरण का निर्माण करना रहा।

दो पुलिस कर्मियो को कप्तान ने किया निलंबित

शहडोल। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल द्वारा अनुशासनहीनता और आम जनता के साथ दुव्यवहार के अलग-अलग मामलों में सख्त कार्यवाही करते हुए दो पुलिसकर्मियों प्रधान आरक्षक रावेन्द्र वर्मा थाना जैतपुर, आरक्षक रिंकू सिंह थाना ब्यौहारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

शहडोल में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के खिलाफ एनएसयूआई निकाला फ्लैश मार्च

शहडोल। नीट एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली की अनियमितताओं को लेकर शहडोल की सियासत गर्मा गई है। कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी अभियान छात्रों की गूंज के तहत भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने गुरूवार को जिला मुख्यालय में एक विशाल फ्लैश मार्च निकालकर केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के खिलाफ जमकर मोर्चा खोला।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय अवस्थी के मार्गदर्शन तथा एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और युवाओं का हुजूम उमड़ पड़ा। मार्च के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त बदहाली और धांधली का आरोप लगाते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और उनके इस्तीफे की मांग दोहराई।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि देश का युवा दिन-रात मेहनत कर परीक्षाओं की तैयारी करता है, लेकिन बार-बार पेपर लीक होने से उनका भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। हस्ट्ठ नेताओं ने स्पष्ट किया कि छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संगठन ने मांग की कि पूरी परीक्षा प्रणाली को तत्काल पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त बनाया जाए।

इस फ्लैश मार्च में कांग्रेस और एनएसयूआई के प्रमुख पदाधिकारियों सहित कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रविंद्र तिवारी, नीरज द्विवेदी, अनुज मिश्रा, आशीष तिवारी, पीयूष शुक्ला, सिमरन कौर, प्रभात पाण्डेय, प्रीतेश द्विवेदी, पम्मू जैन, अजीत सोनी, महेंद्र यादव, दीपांशु गुप्ता सहित भारी संख्या में युवा कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्राएं शामिल हुए। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि जब तक परीक्षार्थियों को न्याय नहीं मिल जाता, तब तक उनका यह आंदोलन चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा।

डस्टबिन स्क्रीन और 'आउट ऑफ सर्विस' के बोर्ड

सुविधा शुल्क काट रहे बैंक, बदले में मिल रही बदबू

शहडोल। डिजिटल इंडिया और कैशलेस इकोनॉमी के बड़े-बड़े विज्ञापनों के बीच अगर आपको यह देखना हो कि अफ़सरशाही और बैंकिंग सिस्टम जनता को कैसे ठगता है, तो शहडोल संभागीय मुख्यालय के किसी भी एटीएम का रुख कर लीजिए। शहर के एटीएम अब कैश निकालने की जगह नहीं, बल्कि आम जनता के सब्र का इम्तिहान लेने के टॉर्चर सेंटर बन चुके हैं। आलम यह है कि एटीएम के बाहर कदम रखते ही ऐसा लगता है मानो आप किसी कबाडख़ाने या उपेक्षित खंडहर में दाखिल हो रहे हों।

स्क्रीन पर उंगलियां घिसिए, कैश तो दूर की बात है!

शहर में एटीएम का हाल ऐसा है कि 10 में से 8 एटीएम के शटर पर या तो आउट ऑफ सर्विस की तख्ती लटकी मिलेगी या अंदर घुसने पर डिस्प्ले स्क्रीन ही गायब पाई जाएगी। जहां स्क्रीन चालू भी है, वहां टच पैनल का यह हाल है कि ग्राहक उस पर अपनी उंगलियां रगड़-रगडक़र पसीना-पसीना हो जाते हैं, तब जाकर कहीं एकाध कमांड काम करता है। एसी केवल शो-पीस बनकर दीवारों पर टंगे हैं, जिनसे ठंडी हवा नहीं, बल्कि गर्म उबकाई और उमस आती है। अंदर पसरी गंदगी, मकड़ी के जाले और पर्चियों का ढेर देखकर लगता है कि हफ्तों से किसी झाड़ू वाले ने यहां कदम तक नहीं रखा।

ग्राहक जाए तो जाए कहां

यदि आप सोच रहे हैं कि एटीएम धोखा दे गया तो बैंक शाखा चले जाएं, तो वहां भी आपका स्वागत सर्वर डाउन है या स्टाफ कम है के रटे-रटाए बहानों से होगा। त्योहारी सीजन हो या कोई मेडिकल इमरजेंसी, शहर के एटीएम ऐन मौके पर दगा दे जाते हैं। आज भी कई छोटे-बड़े व्यापारी और आम जनता नगद लेन-देन पर निर्भर हैं, लेकिन एटीएम से जब कैश गायब रहता है, तो लोगों को दर-दर की ठोकरें खानी पड़ती हैं। विशेषकर भारतीय स्टेट बैंक जैसे अग्रणी बैंक के एटीएम की हालत सबसे ज्यादा खस्ताहाल हो चुकी है, जिसके कबाड़ नुमा बूथ जिम्मेदारों की सुस्ती का सजीव प्रमाण हैं।

एटीएम में ग्राहकों को क्या-क्या मिलना चाहिए?

आरबीआई के कड़े निर्देशों के अनुसार, एटीएम बूथ केवल पैसे निकालने का डिब्बा नहीं है, बल्कि वहां ग्राहकों को यह सुविधाएं मिलना अनिवार्य है। मशीन के सही संचालन और ग्राहक की सुविधा के लिए एसी 24 घंटे चालू रहना चाहिए। बूथ के अंदर कचरा पात्र हो और प्रतिदिन सफाई हो। हर एटीएम पर एक प्रशिक्षित गार्ड की तैनाती अनिवार्य है। स्क्रीन और कीपैड पूरी तरह कार्यशील स्थिति में होने चाहिए। किसी भी स्थिति में एटीएम लंबे समय तक ड्राई (बिना कैश) नहीं रहना चाहिए।

आखिर कौन है इस बदहाली का जिम्मेदार

अक्सर बैंक यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं कि एटीएम का संचालन थर्ड पार्टी एजेंसियां या सीआरए और एमएसपी करती हैं। ये एजेंसियां एटीएम में कैश डालने, सुरक्षा और सफाई का ठेका लेती हैं, लेकिन कागजों में काम दिखाकर लाखों का बिल भुना रही हैं। बैंक के अधिकारियों की जिम्मेदारी होती है कि वे अपने बैंक से जुड़े एटीएम का समय-समय पर औचक निरीक्षण करें, जो शहडोल में पूरी तरह बंद हो चुका है।

शुल्क काटते हैं, तो कार्रवाई क्यों नहीं

बैंक हर साल ग्राहकों के खातों से एटीएम मेंटेनेंस चार्ज के नाम पर करोड़ों रुपये चुपचाप काट लेते हैं। जब शुल्क काटने में 1 सेकंड की देरी नहीं होती, तो सुविधा देने में यह ढिलाई क्यों की जा रही है। लीड बैंक मैनेजर और संबंधित बैंकों के रीजनल मैनेजर पर आरबीआई के गाइडलाइंस के तहत पेनल्टी लगनी चाहिए। लापरवाह वेंडरों और सफाई ठेकेदारों का लाइसेंस निरस्त होना चाहिए और उन पर भारी जुर्माना ठोका जाना चाहिए। आरबीआई के लोकपाल में शिकायत दर्ज कर ग्राहकों को मानसिक प्रताडऩा का मुआवजा मिलना चाहिए।

अब आश्वासन नहीं, कार्रवाई चाहिए!

संभाग के केंद्र शहडोल में जहां प्रतिदिन हजारों लोग बैंकिंग कार्य के लिए आते हैं, वहां एटीएम की यह बदहाली प्रशासनिक उदासीनता की पराकाष्ठा है। यदि जल्द ही शहर के सभी एटीएम में कैश की उपलब्धता, एसी, सफाई और टचस्क्रीन को दुरुस्त नहीं किया गया, तो ग्राहक सडक़ों पर उतरकर बैंक प्रबंधन के खिलाफ उग्र प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

नशे को 'नो', जिंदगी को 'हां'

आंगनवाड़ियों और स्कूलों में गूंजा नशामुक्त समाज का संदेश

शहडोल पुलिस और महिला-बाल विकास विभाग का साझा वार

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान से जुड़ा पूरा जिला

शहडोल। विंध्य की धरा को नशा मुक्त बनाने और युवा पीढ़ी को एक नई दिशा देने के लिए शहडोल पुलिस का महा-अभियान अब जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। पुलिस मुख्यालय भोपाल के दिशा-निर्देशों पर पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में चलाए जा रहे नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 जन-जागरूकता अभियान के तहत जिले भर में सकारात्मकता का नया उजाला देखने को मिल रहा है।

आंगनवाड़ी केंद्रों से उठी नशामुक्ति की अलख

अभियान के तहत शनिवार को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से अभूतपूर्व कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक की आंगनवाडिय़ों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और स्थानीय महिलाओं ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। इस दौरान महिलाओं को प्रेरित किया गया कि वे अपने घर-परिवार को नशे के चंगुल से बचाने में मुख्य सूत्रधार की भूमिका निभाएं।

छात्राओं और युवाओं ने ली स्वस्थ भविष्य की शपथ

सरकारी और निजी स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए। पुलिस अधिकारियों और विशेषज्ञों ने खेल-खेल में तथा संवाद के जरिए बच्चों को मादक पदार्थों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों की गहराई से जानकारी दी। युवाओं को समझाया गया कि नशा न केवल एक व्यक्ति की सेहत छीनता है, बल्कि पूरे परिवार की खुशहाली को तबाह कर देता है। विद्यार्थियों को नशे की संगति से दूर रहकर पढ़ाई, खेलकूद और रचनात्मक कार्यों में मन लगाने के लिए प्रेरित किया गया।

नशामुक्त समाज के लिए शहडोल पुलिस का आह्वान

शहडोल पुलिस ने कार्यक्रम में शामिल सभी नागरिकों और छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे केवल खुद को नशे से दूर न रखें, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। पुलिस टीम ने कहा कि जब तक समाज का हर नागरिक इस मुहिम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित नहीं करेगा, तब तक एक सशक्त और स्वस्थ समाज की कल्पना संभव नहीं है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त शहडोल के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने और अपनी जीवनशैली को सेहतमंद बनाए रखने का संकल्प लिया।

प्रशासनिक फेरबदल: शहडोल को मिलीं नई महिला कलेक्टर

रतलाम से शहडोल भेजी गईं निशा सिंह

शहडोल। मंत्रालय और मैदानी स्तर पर प्रशासनिक जमावट की लंबे समय से लगाई जा रही अटकलों पर आखिरकार शुक्रवार देर रात विराम लग गया। देर रात जारी 20 आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची में शहडोल जिले के प्रशासनिक तंत्र में भी बड़ा बदलाव देखने को मिला है। प्रशासनिक फेरबदल के तहत शहडोल के वर्तमान कलेक्टर डॉ. केदार सिंह का स्थानांतरण भोपाल कर दिया गया है। उनके स्थान पर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी निशा सिंह को शहडोल जिले का नया कलेक्टर नियुक्त किया गया है। निशा सिंह इससे पहले रतलाम कलेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं दे रही थीं। अपनी कार्यशैली और प्रशासनिक पकड़ के लिए पहचानी जाने वाली निशा सिंह के सामने अब शहडोल संभाग के विकास और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण की मुख्य जिम्मेदारी होगी। वहीं शहडोल से हटाए गए कलेक्टर डॉ. केदार सिंह को राज्य शासन ने राजधानी भोपाल में अपर सचिव, लोक निर्माण विभाग के महत्वपूर्ण पद पर पदस्थ किया है।

पड़ोसी जिले अनूपपुर में भी बदला प्रशासनिक मुखिया

शहडोल संभाग के अंतर्गत आने वाले अनूपपुर जिले में भी कप्तानी बदल गई है। अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली का तबादला करते हुए उन्हें कार्यपालन संचालक, पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन भोपाल भेजा गया है। उनके स्थान पर उज्जैन के अपर आयुक्त रत्नाकर झा को अनूपपुर का नया कलेक्टर बनाया गया है। शहडोल में नए कलेक्टर के रूप में निशा सिंह की पदस्थापना के बाद अब जिले के विकास कार्यों, कानून-व्यवस्था और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में नई प्रशासनिक ऊर्जा देखने को मिलने की उम्मीद है।

पुलिस ने दबोचे हाई-प्रोफाइल चोर, सवा लाख के जेवरात बरामद

रेलवे कॉलोनी में सूने मकान पर फेरा था हाथ

शहडोल। खाकी के मुस्तैद पहरे और सिंघम ब्रांड पुलिसिंग के दावों के बीच इलाके के शातिर चोर भी कम करामाती साबित नहीं हो रहे हैं। हालांकि, इस बार चोरी का मास्टर प्लान बनाने वाले दो हुनरमंद शहजादों की किस्मत ने ऐन वक्त पर दगा दे दिया। अमलाई पुलिस ने तत्परता का प्रदर्शन करते हुए रेलवे कॉलोनी में हुई चोरी की गुत्थी को सुलझाकर दो आरोपियों को धर दबोचा और उनके पास से चोरी गए कीमती आभूषण बरामद कर लिए।

जेवरातों पर साफ किया हाथ

मामला छोटी अमलाई स्थित रेलवे कॉलोनी का है, जहां फरियादी धुरव लोनिया के सूने मकान को निशाना बनाकर अज्ञात चोरों ने अपनी कलाकारी दिखाई थी। घर में सन्नाटा देखकर चोरों के हौसले बुलंद हुए और वे अलमारी में रखे सोने-चांदी के गहनों पर हाथ साफ कर चंपत हो गए। पीड़ित ने जैसे ही घर का नजारा देखा, उनके होश उड़ गए और उन्होंने तुरंत थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला कायम कर विवेचना का चक्रव्यूह रचा।

कबूल लिया अपना जुर्म

एसपी डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के कड़े निर्देशों के बाद एक्शन में आई अमलाई पुलिस ने जब संदिग्धों की कुंडली खंगालनी शुरू की, तो धागे अपने आप सुलझते चले गए। पुलिसिया पूछताछ की आंच पड़ते ही आरोपियों के सारे दांव-पेंच फेल हो गए और उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया, सुमन लोनिया उम्र 22 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 13, दफाई नंबर 2, अमलाई, सूरज केवट उम्र 28 वर्ष को पुलिस गिफ्तार कर लिया है।

सवा लाख का मशरूका जब्त

पकड़े गए दोनों आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने एक सोने की बिंदी, एक सोने की हाय और एक चांदी का ब्रेसलेट बरामद किया है। जब्त किए गए मशरूके की कुल अनुमानित कीमत लगभग एक लाख पांच हजार रुपये बताई जा रही है। धनपुरी एसडीओपी विकास पाण्डेय के कुशल मार्गदर्शन और थाना प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्रमणि पाण्डेय की अगुवाई में सहायक उपनिरीक्षक अमृतलाल, प्रधान आरक्षक ठाकुरदास, आरक्षक धर्मेंद्र शुक्ला एवं राजेंद्र शुक्ला की टीम ने इस मामले को सुलझाने में मुख्य भूमिका निभाई।

बिल जमा करने वालों के भी काट दिए कनेक्शन, विरोध करने पर जेई की दबंगई!

झींक बिजुरी में वसूली के नाम पर जमकर हंगामा

शहडोल। जिले के बिजली विभाग के अफ़सरों और कर्मचारियों का क्या कहना! वसूली का टारगेट पूरा करने के चक्कर में साहबों को यह भी दिखाई नहीं देता कि कनेक्शन किसका काटना है और किसका नहीं। जैतपुर थाना क्षेत्र की झींक बिजुरी पुलिस चौकी अंतर्गत झींक बिजुरी गांव में शुक्रवार की शाम बिजली विभाग का वसूली अमला ऐसा तांडव मचाकर लौटा कि पूरा गांव अंधेरे के साथ-साथ आक्रोश की आग में सिमट गया।

मौके पर चुकाया बिल, फिर भी काट दी बिजली

घटनाक्रम के अनुसार, बकाया बिजली बिल की वसूली के नाम पर जैतपुर से कनिष्ठ अभियंता की अगुवाई में बिजली विभाग की पलटन झींक बिजुरी पहुंची थी। ग्रामीण अनिल श्रीवास्तव एवं अन्य ग्रामीणों का कहना है कि जब टीम गांव आई, तो कई उपभोक्ताओं ने ईमानदारी दिखाते हुए मौके पर ही अपनी बकाया राशि का भुगतान कर दिया, लेकिन विभाग के जांबाज कर्मचारियों

गुस्साए ग्रामीणों और बिजली अमले की शिकायतें पहुंची पुलिस चौकी

पर तो जैसे कनेक्शन काटने का भूत सवार था। बिना सोचे-समझे और कागजों का मिलान किए बिना, अमले ने एक तरफ से गांव के 40 से अधिक घरों के कनेक्शन धड़ाधड़ काट डाले। हद तो तब हो गई जब बिल जमा कर चुके उपभोक्ताओं के भी तार काट दिए गए। इसके बाद गांव में बवंडर खड़ा होना स्वाभाविक ही था।

जेई साहब का हाई-वोल्टेज ड्रामा

जब पीड़ित ग्रामीणों ने इस तानाशाही का कारण पूछा और विरोध दर्ज कराया, तो मौके पर मौजूद जेई साहब अपना आपा खो बैठे। आरोप है कि उन्होंने अपनी प्रशासनिक हनक दिखाते हुए ग्रामीणों के साथ जमकर अभद्र व्यवहार किया। अफ़सरशाही की इस दबंगई से भडक़े ग्रामीण एकजुट होकर सीधे झींक बिजुरी पुलिस चौकी पहुंच गए और जेई के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए लिखित शिकायत ठोक दी। उधर, अपनी पोल खुलती देख बिजली कर्मचारियों ने भी पैंतरा बदलते हुए पुलिस के पास जवाबी शिकायत दर्ज करा दी।

चौकी पहुंचा मामला, पुलिस ने शांत कराया मामला

बिजली विभाग की इस मनमानी से गांव में काफी देर तक तनाव और गहमागहमी का माहौल बना रहा। हालांकि, पुलिस की समझाइश के बाद मामला फिलहाल शांत हुआ है और जांच शुरू कर दी गई है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या टारगेट पूरा करने के नाम पर ईमानदार उपभोक्ताओं को प्रताड़ित करना जायज है? अभद्रता करने वाले कनिष्ठ अभियंता पर विभाग कोई कार्रवाई करेगा या मूकदर्शक बना रहेगा।

खबर संक्षेप

रेडक्रास द्वारा वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित होगा

उमरिया। जिला शिक्षा अधिकारी भूपेंद सिंह बडक्रे ने बताया कि सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों में उच्च शिक्षा विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से जूनियर रेडक्रास की सहभागिता सुनिश्चित करते हुये हरियाली महोत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेंड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत राज्य व्यापी बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देशानुसार अभियान संचालित करनें के निर्देश जारी किए गए है। उन्होने कहा है कि सभी शासकीय एवं अशासकीय विश्व विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों की जूनियर रेडक्रास एवं युवक रेडक्रास ईकाईयों के विद्यार्थी स्वयं सेवक, शिक्षक एवं संस्थान प्रमुखों को सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने तथा अभियान के तहत प्रत्येक स्वयं सेवक एवं विद्यार्थी अपने संस्थान परिसर अथवा ऐसे सार्वजनिक स्थानों का चयन कर जहाँ वृक्षारोपण की आवश्यकता हो, जैसे विद्यालय परिसर, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय परिसर, ऑगनबाडी केन्द्र, ग्राम पंचायत परिसर, सार्वजनिक उद्यान, सडक़ किनारे, जल संरक्षण स्थलों अथवा अन्य उपर्युक्त स्थानो पर वृक्षारोपण कराये ।

छात्राओं का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.व्ही.एस.चंदेल एवं जिला शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र सिंह वरकडे के आपसी समन्वय से किया गया। इस दौरान 180 छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण आउटरीच गतिविधि के तहत डॉ योगेश कुर्वे आरबीएसके सी एच ओ यासमीन बेगम कचरवार एवं किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता पूजा पांडे के द्वारा माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर डबरोहा विकासखंड करकेली में स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया गया । किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता पूजा पांडे के द्वारा उपस्थित छात्राओं को परामर्श सेवाएं एवं उमंग स्वास्थ्य केंद्र में दी जा रही सेवाएं एवं टोल फ्री नंबर पर विस्तृत चर्चा की गई वहीं प्राचार्य श्री लोटन अनुरागी की उपस्थिति में तंबाकू मुक्त परिषद भी घोषित किया गया जिसमें मापदंड के अनुसार 93 अंक हासिल कर तंबाकू मुक्त शाला घोषित किया गया।

3.69 लाख की सीसी रोड चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट

चन्सुरा में विकास नहीं, 'भतीजे' का उद्धार!

सरकारी खजाने से रिश्तेदारी की रकमबाजी

मानपुर। जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत चन्सुरा में विकास के दावों की धज्जियां उड़ाते हुए भ्रष्टाचार का ऐसा नंगा नाच देखने को मिल रहा है, जहाँ जनता के टैक्स के पैसे से अपनों की तिजोरी भरी जा रही है। पांचवें राज्य वित्त आयोग के तहत स्वीकृत 3 लाख 69 हजार रुपये की लागत से पीडब्ल्यूडी रोड से हनुमान मंदिर तालाब तक बनने वाली सीसी रोड धरातल पर उतरने से पहले ही भ्रष्टाचार की गर्त में समा चुकी है। यहां नियम-कायदों को ताक पर रखकर सरकारी बजट को पारिवारिक संपत्ति की तरह बाँटा गया है।

काका सचिव, भतीजा वेंडर

ग्राम पंचायत चन्सुरा में निष्पक्षता और शासन की गाइडलाइन को ठेंगा दिखाते हुए जो खेल खेला गया है, वह सीधे तौर पर आपराधिक सांठगांठ की ओर इशारा करता है। सूत्रों के मुताबिक, पंचायत सचिव राजभान मिश्रा ने सरपंच और उप-यंत्री (इंजीनियर) के साथ मिलकर ऐसा त्रिकोण बनाया, जिसके केंद्र में सचिव के सगे भतीजे वेद प्रकाश मिश्रा को रखा गया। शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि पंचायत का कोई भी जिम्मेदार अपने सगे-संबंधियों को न तो योजना का आर्थिक लाभ दे सकता है और ना ही भुगतान कर सकता है। लेकिन चन्सुरा में कानून की धज्जियां उड़ाते हुए सचिव जी के भतीजे के नाम पहला बिल 72,680, दूसरा बिल 1,54,245, तीसरा बिल 72,690, चौथा बिल 6,396 का बिल पास किए गए। लाखों रुपये का यह भुगतान किस सामग्री या सेवा के एवज में और किस गुणवत्ता के साथ किया गया, यह बड़ा सवाल है। लेकिन रिश्तेदारों पर लुटाया गया यह सरकारी प्रेम साफ बयां कर रहा है कि मलाई बांटने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई।

पंचायत में चल रही अपनी मनमर्जी

नियमों के मुताबिक निर्माण कार्य शुरू होने से ठीक पहले मौके पर सूचना बोर्ड लगाना अनिवार्य है, ताकि जनता जान सके कि कार्य की लागत कितनी है, मद कौन सा है और निर्माण एजेंसी कौन है, लेकिन चन्सुरा पंचायत में सारे नियमों को रौंदकर मनमाने ढंग से काम करा लिया गया। आज तक मौके पर कोई बोर्ड नहीं लगा, जिससे साफ जाहिर होता है कि पारदर्शिता से इस सिंडिकेट को कितना डर लगता है।

बजती रही फोन की घंटी

जब इस भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े के संबंध में ग्राम पंचायत चन्सुरा के सरपंच, सचिव और इंजीनियर से उनका पक्ष जानने के लिए फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो तीनों महाशयों ने फोन रिसीव करना तक मुनासिब नहीं समझा। यह मौन स्वीकृति इस बात का प्रमाण है कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है।

कलेक्टर और सीईओ से कार्यवाही की मांग

ग्राम पंचायत चन्सुरा में जिस तरह नियमों की बलि देकर अपनों की जेबें भरी गई हैं, उससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। अब क्षेत्र की जनता की निगाहें कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय और जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया पर टिकी हैं। जनता की मांग है कि चन्सुरा में हुए इस फर्जी भुगतान और घटिया निर्माण की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो और कोई दोबारा सरकारी तिजोरी पर डाका डालने की हिम्मत न कर सके।

गांव-गांव फैली अवैध शराब की पैकारी, गर्त में युवाओं का भविष्य

इंदवार में आबकारी की 'मेहरबानी' या सुशासन का जनाजा?

उमरिया। जिले के इंदवार क्षेत्र में इन दिनों कानून व्यवस्था और आबकारी नियमों का खुलेआम जनाजा निकाला जा रहा है। क्षेत्र में अवैध शराब पैकारी का नेटवर्क इतनी तेजी से पैर पसार चुका है कि अब दूध मिले न मिले, लेकिन हर गली-कुचे में शराब आसानी से उपलब्ध है। सरकारी शराब दुकान से अवैध रूप से माल उठाकर गांव-गांव तक पहुंचाने का यह 'काला कारोबार' प्रशासनिक साठगांठ की ओर साफ इशारा कर रहा है।

पैकार हुए हावी, गांव-गांव बन गए मयखाने

इंदवार की अधिकृत शराब दुकान अब केवल एक दुकान नहीं रही, बल्कि अवैध पैकारी का मुख्य जंक्शन बन चुकी है। यहां से थोक के भाव शराब उठाकर पैकार (अवैध विक्रेता) अलग-अलग गांवों में सप्लाई कर रहे हैं। शाम ढलते ही गांवों के चौराहों, किराना दुकानों और झाड़ियों के पीछे खुलेआम जाम छलकने लगते हैं। दुगुने-तिगुने दामों पर बिक रही इस अवैध शराब ने क्षेत्र के सामाजिक माहौल को पूरी तरह जहरीला बना दिया है। सबसे ज्यादा मार युवाओं पर पड़ रही है, जो पढ़ाई-लिखाई छोडक़र नशे की गर्त में समाते जा रहे हैं।

महिलाओं का निकलना दुश्वार

गांवों में परोसी जा रही इस अवैध मदिरा के कारण शाम होते ही शराबियों का उपद्रव शुरू हो जाता है। रास्ते से गुजरने वाली महिलाओं और बेटियों पर छींटाकशी आम बात हो चुकी है। नशाखोरी के कारण दर्जनों हंसते-खेलते परिवार आर्थिक तबाही और घरेलू हिंसा की आग में झुलस रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शासन ने शराब बिक्री के जो कड़े नियम-कायदे बनाए हैं, पैकार उन्हें अपने जूते की नोक पर रखते हैं।

आबकारी विभाग का मौन समर्थन या गहरी नींद

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब समूचे इंदवार क्षेत्र में पैकारी का यह धंधा खुलेआम फल-फूल रहा है, तो आबकारी विभाग और स्थानीय पुलिस क्या कर रही है? क्या जिम्मेदारों को गांवों में बिक रही इस अवैध शराब की भनक तक नहीं है, या फिर सुविधा शुल्क के खेल में सबने अपनी आँखों पर पट्टी बांध रखी है? विभाग की इस आपराधिक खामोशी से ग्रामीणों में भारी आक्रोश पनप रहा है।

एसपी और कलेक्टर से कड़े एक्शन की आस

नियमों की धज्जियां उड़ाकर चलाए जा रहे इस अवैध सिंडिकेट से तंग आकर अब क्षेत्र की जनता ने आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। नागरिकों और महिलाओं ने कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय और पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है कि इंदवार क्षेत्र में विशेष आबकारी टीम भेजकर आकस्मिक छापेमारी की जाए। ग्रामीणों की साफ चेतावनी है कि यदि शराब ठेकेदारों और पैकारों की इस जहरीली सांठगांठ पर तुरंत नकेल नहीं कसी गई, तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

पांच दिन से लापता वृद्ध का नदी में मिला शव, डूबने से मौत की आशंका

केवई नदी की द्विधारा घाट पर मिला शव मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा मृतक

कोतमा। थाना क्षेत्र के सीतामढ़ी पिकनिक स्पॉट के समीप कलधवा गांव के पास केवई नदी की द्विधारा घाट में शुक्रवार दोपहर पांच दिन से लापता 54 वर्षीय वृद्ध का शव उतराता मिला। मृतक की पहचान रामपति साहू पिता स्व. स्वामीदीन साहू निवासी तरसिली, थाना बिजुरी के रूप में हुई है। ग्रामीणों की सूचना पर मृतक के पुत्र ने कोतमा पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर पंचनामा कार्रवाई की। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पांच दिन से लापता था वृद्ध

मामले की जांच कर रहे प्रधान आरक्षक अजय तोमर के अनुसार मृतक बिजुरी थाना क्षेत्र के तरसिली गांव का निवासी था और पिछले करीब पांच दिनों से लापता था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। प्रारंभिक पूछताछ में परिजनों ने बताया कि रामपति साहू मानसिक रूप से अस्वस्थ था और वह अक्सर तरसिली से ग्राम छुलहा तक पैदल आता-जाता था। इस दौरान रास्ते में पड़ने वाली केवई नदी को भी पार करता था। ऐसे में पुलिस को आशंका है कि इसी दौरान किसी कारणवश वह नदी के तेज बहाव में बह गया होगा।

शरीर पर चोट के निशान

पुलिस के अनुसार शव पर किसी प्रकार के गहरे चोट के निशान प्रारंभिक तौर पर नहीं मिले हैं। हालांकि नदी के बहाव में काफी दूरी तक बहने के कारण शरीर के विभिन्न हिस्सों पर चोट के निशान पाए गए हैं। घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए प्रथम दृष्टया वृद्ध की नदी में डूबने अथवा बह जाने से मौत की आशंका जताई जा रही है।

गुमशुदगी को लेकर पुलिस जुटा रही जानकारी

पुलिस ने बताया कि परिजनों द्वारा बिजुरी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराए जाने की जानकारी सामने आई है। हालांकि इस संबंध में परिजनों से स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। कोतमा पुलिस अब संबंधित थाना से गुमशुदगी की जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों से विस्तृत पूछताछ के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

बिजली के खंभों पर लगाए फ्लेक्स-बैनर, हादसे का खतरा बढ़ा

मीना बाजार के प्रचार में नियमों की अनदेखी, बारिश में करंट फैलने की आशंका, जिम्मेदार विभाग बेखबर

कोतमा। नगर में बिना अनुमति बिजली के खंभों, पेड़ों और सार्वजनिक स्थानों पर फ्लेक्स-बैनर लगाने का सिलसिला लगातार जारी है। इससे जहां शहर की सुंदरता प्रभावित हो रही है, वहीं बारिश के मौसम में दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है। नगर के वार्ड क्रमांक 7 बनिया टोला में इन दिनों निजी व्यक्ति द्वारा मीना बाजार का आयोजन किया जा रहा है। इसके प्रचार-प्रसार के लिए नगर के विभिन्न स्थानों पर बिजली के खंभों में फ्लेक्स बोर्ड लगाए गए हैं। नियमों के अनुसार बिजली के खंभों, पेड़ों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों पर बिना अनुमति विज्ञापन, फ्लेक्स या बैनर लगाना प्रतिबंधित है। इसके बावजूद नगर में खुलेआम नियमों की अनदेखी की जा रही है। बिजली के खंभों में फ्लेक्स बांधने से विद्युत तारों के संपर्क में आने, शॉर्ट सर्किट होने अथवा करंट फैलने जैसी गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है। खासकर बारिश के मौसम में यह लापरवाही लोगों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। बिजली के खंभों पर फ्लेक्स-बैनर लगाए जाने से विद्युत विभाग के कर्मचारियों को फॉल्ट सुधारने और खंभों पर चढ़कर काम करने में भी परेशानी होती है। आपात स्थिति में बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने के दौरान बैनर और उसके तार या रस्सियां कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त खतरा पैदा कर सकती हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जब नगर में अवैध होर्डिंग और फ्लेक्स हटाने के लिए समय-समय पर अभियान चलाए जाते हैं तो फिर इन फ्लेक्स बोर्डों पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। नगर में सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति प्रचार सामग्री लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से ऐसे लोगों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। बिजली के खंभों को प्रचार का माध्यम बना दिया गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि संबंधित विभागों को ऐसे फ्लेक्स तत्काल हटवाकर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

इनका कहना है

हमारे विभाग से किसी भी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई है। यदि बिजली के खंभों पर फ्लेक्स बोर्ड लगाए गए हैं तो उन्हें हटवाते हुए संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आशुतोष चंद्रा, सहायक अभियंता
विद्युत विभाग कोतमा

अमरकंटक के मुख्य मार्गों पर आवारा पशुओं का डेरा, हादसे की आशंका से सहमे श्रद्धालु

साप्ताहिक बाजार में दुकानदारों और ग्राहकों की बढ़ी परेशानी

नगर परिषद से अभियान चलाकर कार्रवाई की मांग

अमरकंटक। मध्यप्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थस्थल तथा मां नर्मदा की उद्गम नगरी अमरकंटक में इन दिनों मुख्य मार्गों और बाजार क्षेत्रों में आवारा पशुओं का जमावड़ा नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। नगर के प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्र और धार्मिक स्थलों के आसपास बड़ी संख्या में गाय, बैल, बछड़े एवं बछियाएं खुलेआम विचरण करते नजर आ रहे हैं। सड़क पर अचानक पशुओं के आ जाने से वाहन चालकों को दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

बरसात के मौसम में सड़कें पहले से ही फिसलन भरी रहती हैं। ऐसे में अचानक सड़क के बीचोंबीच पशुओं के आ जाने से दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को वाहन नियंत्रित करने में काफी परेशानी होती है। कई बार वाहन चालक दुर्घटना से बचने के लिए अचानक ब्रेक लगाने या वाहन को दूसरी दिशा में मोड़ने के लिए मजबूर हो जाते हैं। इससे न केवल वाहन चालकों बल्कि पैदल राहगीरों के लिए भी खतरा बना हुआ है। तीर्थ दर्शन के लिए अमरकंटक पहुंचने वाले श्रद्धालु और पर्यटक भी इस अव्यवस्था से परेशान हैं।

साप्ताहिक बाजार में सबसे ज्यादा परेशानी

रविवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार में आवारा पशुओं की समस्या और गंभीर हो जाती है। बाजार में बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही के बीच पशु दुकानों और ठेलों के आसपास घूमते रहते हैं। कई बार गाय और बैल दुकानों के सामने रखी सब्जियां, फल एवं अन्य खाद्य सामग्री को नुकसान पहुंचा देते हैं। इससे छोटे दुकानदारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। वहीं ग्राहकों और राहगीरों को भी पशुओं से बचकर निकलना पड़ता है। पशुओं के बीच सड़क या बाजार में आपस में लड़ाई होने पर स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। इससे बाजार में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन जाता है। नागरिकों का कहना है कि धार्मिक नगरी होने के कारण अमरकंटक में वर्षभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में मुख्य मार्गों और बाजार क्षेत्रों में आवारा पशुओं का खुलेआम घूमना नगर की व्यवस्था और सुरक्षा दोनों पर सवाल खड़े करता है।

जिम्मेदारी तय करने की मांग

स्थानीय नागरिकों और साप्ताहिक बाजार के दुकानदारों ने नगर परिषद अमरकंटक से आवारा पशुओं के प्रबंधन के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि नगर परिषद द्वारा आवारा पशुओं को पकड़कर गौशाला अथवा किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। साथ ही जिन पशुपालकों द्वारा अपने पशुओं को खुले में छोड़ दिया जाता है, उनकी जिम्मेदारी तय कर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। नागरिकों ने कहा कि यदि समय रहते इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो किसी दिन बड़ा सड़क हादसा हो सकता है। उन्होंने नगर परिषद और प्रशासन से जनहित को प्राथमिकता देते हुए मुख्य मार्गों, बाजार एवं धार्मिक स्थलों के आसपास से आवारा पशुओं को हटाने के लिए तत्काल अभियान चलाने की मांग की है, ताकि अमरकंटक आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन मिल सके।

कोतमा में शराब बिक्री पर सवाल, एमआरपी से अधिक दाम

कोतमा। कोतमा क्षेत्र में संचालित लाइसेंसी शराब दुकानों को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि एनएच-43, बस स्टैंड कोतमा तथा राजनगर तिराहा स्थित शराब दुकानों पर कई दिनों से शराब निर्धारित प्रिंट रेट (एमआरपी) से अधिक कीमत पर बेची जा रही है। लोगों का कहना है कि अतिरिक्त राशि वसूले जाने के बावजूद संबंधित विभागों द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही, जिससे आबकारी विभाग और पुलिस की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों के अनुसार सुबह से ही शराब दुकान से जुड़े लोग वाहनों के माध्यम से शराब लेकर विभिन्न गांवों और मोहल्लों में पहुंचते हैं तथा खुलेआम बिक्री करते हैं। आरोप है कि यह बिक्री स्कूलों, मंदिरों और रिहायशी इलाकों के आसपास भी की जा रही है, जिससे सामाजिक वातावरण प्रभावित हो रहा है और युवाओं में नशे की प्रवृत्ति बढ़ने का खतरा उत्पन्न हो रहा है। लोगों का दावा है कि निगवानी, चाका, खमरौध, बेलिया फाटक, गोविंदा, सिमरिया चौराहा सहित आसपास के सैकड़ों गांवों में नियमित रूप से शराब पहुंचाई जाती है। इन क्षेत्रों में कथित रूप से घर-घर और गली-मोहल्लों तक शराब की आपूर्ति होने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। स्थानीय नागरिकों का यह भी कहना है कि प्रिंट रेट से अधिक कीमत पर शराब बेचने के कई वीडियो समय-समय पर सोशल मीडिया पर वायरल होते रहे हैं। इसके बावजूद न तो आबकारी विभाग द्वारा कोई सख्त कार्रवाई की गई और न ही पुलिस ने कोई प्रभावी कदम उठाया इससे लोगों में यह धारणा बन रही है कि शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि इस पूरे मामले की जानकारी कई बार शराब ठेके से जुड़े लोगों के साथ-साथ संबंधित आबकारी अधिकारियों तक भी पहुंचाई गई, लेकिन अब तक किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई। लगातार शिकायतों के बावजूद स्थिति जस की तस बनी रहने से आम नागरिकों में नाराजगी बढ़ रही है। क्षेत्र के सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों ने जिला प्रशासन, पुलिस अधीक्षक एवं वरिष्ठ आबकारी अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, एमआरपी से अधिक कीमत वसूलने के आरोपों की जांच करने, अवैध रूप से गांवों तक शराब पहुंचाने वाले नेटवर्क पर कार्रवाई करने तथा दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है।

खबर संक्षेप

आंगनबाड़ी केंद्रों में तिथि भोज का हुआ आयोजन

बड़वारा। महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना बडवारा सेक्टर ,भुड़सा अंतर्गत समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में तिथि भोज का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को पौष्टिक व्यंजन खिलाए गए एवं अभिभावकों को स्थानीय स्तर पर पोषण आहार की विविधता गुणवत्ता एवं साफ सफ़ाई के संबंध में जानकारी दी गई। पौष्टिक आहार खाने से शारीरिक विकास होने के साथ ही बौद्धिक विकास भी होता है। शारीरिक स्वस्थता एवम स्वच्छता जीवन मे अनिवार्य है शरीर स्वस्थ रहेगा तो तन मन भी स्वस्थ रहेगा। सेक्टर सुपरवाइजर रेशमा मेडम ने बताया कि समस्त आंगनवाड़ी केंद्रों में नन्हे मुन्ने बच्चों को पोषण आहार के साथ ही व्यंजन भी खिलाये जाते हैं।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश का अंतिम अवसर

कटनी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश से वंचित विद्यार्थियों को एक अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी 27 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन कर सकेंगे। दस्तावेजों का सत्यापन 24 से 28 जुलाई, 30 जुलाई को मेरिट सूची जारी, 31 जुलाई को सीट आवंटन तथा 31 जुलाई से 3 अगस्त तक शुल्क जमा कर प्रवेश सुनिश्चित किया जा सकेगा। स्नातक एवं स्नातकोत्तर सहित अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित है। उच्च शिक्षा विभाग ने सभी पात्र एवं इच्छुक विद्यार्थियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना समय रहते प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

जिले में बीते साल से 48.7 फीसदी कम बारिश

कटनी। जिले में 1 जून से 24 जुलाई तक कुल 321.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। विदित हो कि पिछले आलोच्य अवधि के दौरान जिले में 626.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि के दौरान रीठी तहसील में रिकार्ड 816.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जबकि इस वर्ष जिले में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक औसत वर्षा तहसील स्लीमनाबाद में दर्ज की गई है, जहाँ अब तक 648.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गयी है। अधीक्षक भू-अभिलेख मुन्ना लाल तिवारी ने बताया कि जिले में इस अवधि में कटनी तहसील में 326.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि तहसील रीठी में 432.8 मिलीमीटर, बड़वारा तहसील में 160.5 मिलीमीटर, बरही तहसील में 197.8 मिलीमीटर और विजयराघवगढ़ तहसील में 239.1 मिलीमीटर, बहोरीबंद तहसील में कुल 298.8 मिलीमीटर एवं स्लीमनाबाद तहसील में 648.4 मिलीमीटर तथा ढीमरखेड़ा तहसील में 264.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।

नुकसानी से बचने हेतु खरीफ फसलों का बीमा कराने केवल 7 दिन शेष

कटनी। खरीफ फसलों का बीमा कराने के लिए अब केवल 7 दिन शेष हैं। किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग ने बदलते मौसम और अनियमित बारिश के कारण फसलों को संभावित नुकसान से बचाव हेतु सभी किसानों से अपनी फसलों का बीमा अवश्य कराने की अपील की है। फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित है। उप संचालक कृषि श्री खेलावन डेहेरिया ने उन्होंने कहा कि फसल बीमा से प्राकृतिक आपदाओं या प्रतिकूल मौसम के कारण होने वाली हानि की स्थिति में किसानों को शासन द्वारा निर्धारित लाभ प्राप्त हो सकेगा। विभाग के अनुसार खरीफ 2026 के लिए अधिसूचित फसलों पर किसान प्रीमियम दरें निर्धारित की गई हैं। इसके तहत धान (असिंचित) के लिए 630 रुपये प्रति हेक्टेयर, धान (सिंचित) के लिए 896 रुपये प्रति हेक्टेयर, मक्का के लिए 620 रुपये प्रति हेक्टेयर, तुअर के लिए 700 रुपये प्रति हेक्टेयर और तिल के लिए 442 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रीमियम निर्धारित है।

शासकीय कन्या विद्यालय उमरिया में 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

उमरिया। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित "नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0" अभियान के अंतर्गत शासकीय कन्या विद्यालय, उमरिया में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में उमरिया एसडीओपी पी.एस. परस्ते, कोतवाली थाना प्रभारी मदनलाल मरावी, युवा टीम उमरिया के संयोजक हिमांशु तिवारी तथा विद्यालय के प्राचार्य श्री ललन सिंह मर्काम की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीओपी पी.एस. परस्ते ने छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। उन्होंने छात्राओं से नशे से दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

इसके पश्चात कोतवाली थाना प्रभारी मदनलाल मरावी ने उपस्थित सभी छात्राओं एवं शिक्षकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई तथा नशे के विरुद्ध जनजागरूकता फैलाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी यदि नशे से दूर रहेगी तो समाज का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल होगा। युवा टीम उमरिया के संयोजक हिमांशु तिवारी ने छात्राओं से स्वयं जागरूक रहने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के अन्य लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है। कार्यक्रम के दौरान नशामुक्ति विषय पर ड्रॉइंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से नशामुक्त समाज का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य श्री ललन सिंह मरकाम ने सभी अतिथियों, पुलिस विभाग, युवा टीम उमरिया एवं उपस्थित छात्राओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं सामाजिक चेतना के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर ड्रॉइंग प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाली छात्राओं को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति-पत्र (प्रमाण-पत्र) प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्राचार्य ललन सिंह मरकाम,शिक्षक लाल जी साहू,युवा हिमांशु तिवारी, अभिनव द्विवेदी,विद्यालय छात्रा साक्षी रैदास,हर्षिता बर्मन, स्नेहा कोल,रिया तोमर,शिवानी रैदास,माधुरी रैदास,कोमल बैगा,रश्मि यादव व 500 छात्रा उपस्थित रही।

स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली

ब्यौहारी में 'डायलिसिस' नदारद, 90 किमी दूर जिंदगी का दांव लगा रहे मरीज

जिपं सदस्य ने दी प्रभारी मंत्री को 'काले झंडे' दिखाने की चेतावनी!

शिक्षिका का छलका दर्द तो नींद से जागा तंत्र

शहडोल। स्वास्थ्य सेवाओं के बड़े-बड़े विज्ञापनों और हाई-टेक अस्पतालों के कागजी दावों की कलाई खोलनी हो, तो शहडोल जिले के अंतिम छोर पर बसे ब्यौहारी का रुख कर लीजिए। यहाँ किडनी की बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए बीमारी की मार से ज्यादा दर्दनाक है, इलाज तक पहुंचने की जंग। ब्यौहारी में डायलिसिस सेंटर की सुविधा न होना अब महकमे की संवेदनहीनता का सबसे बड़ा सबूत बन चुका है। क्षेत्र के 15 से 20 गंभीर मरीजों को हर हफ्ते अपनी जिंदगी को दांव पर लगाकर 90 किलोमीटर दूर शहडोल जिला अस्पताल के धक्के खाने पड़ रहे हैं।

इलाज बाद में, यात्रा ही मार डालेगी!

सरकारी सुस्ती और अव्यवस्था का ताजा शिकार सरसी हाई स्कूल में पदस्थ शिक्षिका कल्पना चतुर्वेदी बनीं। डायलिसिस कराने शहडोल पहुंची पीड़ित शिक्षिका का दर्द जब सोशल मीडिया पर वीडियो के जरिए छलका, तो स्वास्थ्य महकमे के कान खड़े हो गए। उन्होंने भावुक लहजे में सत्ता और शासन के आकाओं से सवाल किया कि क्या गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति के लिए हर हफ्ते 90 किलोमीटर का उबड़-खाबड़ सफर तय करना

किसी सजा से कम है? आर्थिक तंगी, शारीरिक टूटन और हर पल मंडराते मौत के खतरे के बीच उन्होंने ब्यौहारी में तत्काल डायलिसिस सेंटर शुरू करने की गुहार लगाई है।

नेताओं की सुस्ती पर भड़का आक्रोश

मामला गरमाते ही अब इस मुद्दे ने बड़ा राजनीतिक और सामाजिक रूप ले लिया है। क्षेत्र की लगातार हो रही उपेक्षा पर जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र सिंह पटेल ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने तीखा वीडियो बयान जारी कर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री व जिला प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ला को आड़े हाथों लिया।

'विरोध स्वरूप स्वागत' की खुली चेतावनी

जिला पंचायत सदस्य ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि ब्यौहारी में डायलिसिस सुविधा

तत्काल बहाल नहीं की गई और जर्जर स्वास्थ्य तंत्र को दुरुस्त नहीं किया गया, तो प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ला के ब्यौहारी आगमन पर उनका विरोध स्वरूप स्वागत (काले झंडे और नारेबाजी) किया जाएगा।

कब जागेगा प्रशासनिक अमला

संभागीय मुख्यालय से 90 किमी दूर बसे इस अंचल की जनता आखिर कब तक बुनियादी चिकित्सा सुविधाओं के लिए तरसती रहेगी? क्या शासन को किसी बड़े हादसे का इंतजार है? क्या करोड़ों के बजट में ब्यौहारी के मरीजों के लिए एक डायलिसिस मशीन की जगह नहीं बन पा रही? जब तक कागजों में तैरती स्वास्थ्य योजनाएं धरातल पर नहीं उतरतीं, तब तक ब्यौहारी के मरीज यूं ही 90 किलोमीटर की सडक़ पर अपनी जिंदगी का जुआ खेलने को मजबूर रहेंगे। अब देखना यह है कि मंत्री महोदय चेतावनी के बाद जागते हैं या जनता का गुस्सा सडक़ों पर फूटता है!

नारकोटिक्स एवं नशीली दवाओं के कारोबारी के विरूद्ध करें कार्यवाही: कलेक्टर

नशा मुक्त बनाने हेतु आयोजित करें जन जागरूकता कार्यक्रमः डॉ. केदार सिंह

जिला स्तरीय समिति नाकोर्ड की बैठक सम्पन्न

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में नारकोटिक्स एवं अन्य नशीली दवाओं की रोकथाम एवं बेहतर समन्वय हेतु गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई है। कलेक्टर ने कहा कि जिले में नारकोटिक्स एवं नशीली दवाओं के कारोबारी के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाए तथा हॉटस्पॉट चिन्हित कर छापेमारी की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी की प्रवृत्तियों के बारे में सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस विभाग को अवगत कराया जाएं एवं पुलिस विभाग एवं वन विभाग द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के संभावित मार्गों पर विशेष निगरानी रखी जाएं। जिले में अफीम, भांग आदि की फसल की अवैध खेती की निगरानी हेतु वन विभाग, कृषि विभाग एवं पुलिस विभाग आपस में समन्वय स्थापित करते हुए कार्यवाही करें।

कलेक्टर ने कहा कि स्कूलों, कॉलेजों आदि में नशीली दवाओं के दुरूपयोग विरोधी जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु पुलिस शिक्षा विभाग एवं सामाजिक न्याय विभाग के साथ समन्वय कर ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायें, जिससे छात्रों को नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जा सकें। कलेक्टर ने जिले में चलाएं जा रहे नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि देश एवं समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाएं तथा विद्यार्थियो एवं अन्य लोगो को नशे के दुष्परिणामो के प्रति जागरूक करे इसके लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएं। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान ने एनडीपीएस एक्ट के तहत पंजीकृत प्रकरण, नशीले इंजेक्शन, स्मैक सहित अन्य कार्यवाहियों के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 01 जनवरी 2026 से 30 जून 2026 तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 21 प्रकरण दर्ज किए गए हैं जिनमें आरोपियों की संख्या 70 है जप्त मादक पदार्थों में 1229 किलोग्राम गांजा, 18 नग कफ सिरफ, 1779 इंजेक्शन, 83 ग्राम स्मैक तथा 04 ढोपहिया एवं 11 चार पहिया वाहन जप्त किए गए हैं। जप्त मादक पदार्थों की कीमत 01 करोड़ 31 लाख 10 हजार 814 रूपए हैं इसी अवधि में 55 नशा मुक्त जनजागरूकता शिविर आयोजित किए गए। जिसमें 1995 व्यक्ति शामिल हुए। इन शिविरों के माध्यम से नशा से होने वाले सामाजिक शारीरिक, आर्थिक नुकशान के बारे में बताया जाकर नशे से दूर रहने की सलाह दी गई। बैठक में डीएफओ तरूणा वर्मा, उप संचालक कृषि केएन यादव, डॉ आर.पी.शुक्ला, उप संचालक सामाजिक न्याय सुश्री प्रज्ञा मरावी सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहें।

जिला न्यायालय शहडोल में तकनीक और सुरक्षा का संगम

सीआईएस एवं साइबर सुरक्षा पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

शहडोल। न्यायालयीन कामकाज को अधिक पारदर्शी, सुगम और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार, 24 जुलाई को जिला न्यायालय परिसर में एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य केंद्र बिंदु कोर्ट इंफोर्मेशन सिस्टम का प्रभावी संचालन और वर्तमान दौर में बढ़ते साइबर अपराध व सुरक्षा के मानक रहे। डिजिटल युग में अदालत के कामकाज को तकनीकी रूप से मजबूत करने की इस पहल में जिले के न्यायिक अधिकारियों सहित न्यायालयीन कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने डिजिटल दुनिया में मुस्तैदी से काम करने और साइबर ठगी से बचने के गुर सिखाए।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने साइबर अपराधों के बदलते तौर-तरीकों, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के सुरक्षित इस्तेमाल पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस बात पर विशेष बल दिया गया कि किस प्रकार संवेदनशील अदालती आंकड़ों और डिजिटल दस्तावेजों को सुरक्षित रखा जाए। अधिकारियों व कर्मचारियों को सिखाया गया कि एक छोटी सी असावधानी भी बड़ा खतरा बन सकती है, इसलिए डिजिटल हाइजीन और मजबूत पासवर्ड जैसी बुनियादी सुरक्षा आदतें हर कर्मचारी के दैनिक व्यवहार का हिस्सा होनी चाहिए।

आयोजन का मुख्य उद्देश्य न्यायिक अमले को नवीनतम तकनीकों से लैस करना और उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि करना था। सीआईएस प्रणाली के बेहतर उपयोग से जहां एक ओर आम जनता को मुकदमों की जानकारी और सेवाएं समय पर मिल सकेंगी, वहीं साइबर सुरक्षा के ज्ञान से अदालती कामकाज पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। उपस्थित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे आज के समय की बड़ी आवश्यकता बताया। इस प्रशिक्षण से न्यायालयीन अमले में एक नई ऊर्जा और तकनीकी सजगता देखने को मिली, जो आने वाले समय में न्याय प्रणाली को और अधिक सशक्त तथा सुरक्षित बनाएगी।

सभी संस्थानों, मैरिज गार्डन, होटलों से सूखा एवं गीला कचरा अलग-अलग संकलित किया जाय

कचरा फैलाने वालों पर लगायें जुर्मानाः कलेक्टर

कलेक्टर की अध्यक्षता में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा बैठक सम्पन्न

शहडोल। कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी नगरीय निकायों में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने, कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, स्रोत स्तर पर कचरे के पृथक्करण तथा नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी नगरीय निकायों में स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए तथा शहरों और कस्बों में कहीं भी कचरे के ढेर दिखाई नहीं देने चाहिए। उन्होंने कहा कि नियमित सफाई, समयबद्ध कचरा संग्रहण एवं उसका वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। स्वच्छ एवं सुंदर शहर बनाने के लिए प्रत्येक अधिकारी अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करें।

कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सार्वजनिक स्थानों, सडक़ों, बाजारों एवं अन्य जगहों पर कचरा फैलाने वाले व्यक्तियों, दुकानदारों एवं संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के प्रति सख्ती बरती जाए, ताकि आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़े और लोग नियमों का पालन करें। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिले के सभी शासकीय एवं निजी संस्थानों, कार्यालयों, मैरिज गार्डनों, होटल, रेस्टोरेंट, धर्मशालाओं, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तथा अन्य बड़े संस्थानों से सूखा एवं गीला कचरा अलग-अलग संकलित किया जाए। सभी संबंधित संस्थानों में दो डस्टबिन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा स्रोत स्तर पर ही कचरे का पृथक्करण कराया जाए, जिससे उसके पुनर्चक्रण एवं वैज्ञानिक निस्तारण में सुविधा हो।

उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों द्वारा संचालित डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए तथा प्रत्येक घर, दुकान एवं प्रतिष्ठान से पृथक-पृथक सूखा एवं गीला कचरा संग्रहित किया जाए। कचरा संग्रहण करने वाले वाहनों में भी दोनों प्रकार के कचरे के लिए अलग-अलग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहरों के प्रमुख बाजारों, बस स्टैंड, सार्वजनिक स्थलों, पार्कों एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों की नियमित सफाई कराई जाए। नालियों की समय-समय पर सफाई, कचरा संग्रहण केंद्रों का उचित रखरखाव तथा कचरे के समय पर परिवहन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि कहीं भी गंदगी की स्थिति निर्मित न हो।

बैठक में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि आमजन, व्यापारी संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, विद्यालयों एवं सामाजिक संगठनों को स्वच्छता अभियान से जोड़ा जाए। लोगों को सूखा एवं गीला कचरा अलग-अलग रखने, प्लास्टिक कचरे का उचित निस्तारण करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फैलाने के लिए निरंतर प्रेरित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के सभी निर्धारित मानकों का प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक नगरीय निकाय में नियमित मॉनिटरिंग की जाए। जहां भी कमियां पाई जाएं, उन्हें तत्काल दूर करते हुए स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण अनुकूल नगरीय वातावरण विकसित किया जाए।

बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए नगरीय निकायों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के लिए समयबद्ध कार्ययोजना के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए गए। बैठक में परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण निशांत ठाकुर, मुख्यनगर पालिका अधिकारी बकहो एवं खांड़, एपीओ श्रीमती शुक्ला शहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

स्वच्छता अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान, जमुना कालरी स्कूल में बच्चों को सिखाए स्वच्छता के गुर

अनूपपुर। नगर पालिका परिषद पसान के तत्वावधान में शनिवार को शासकीय प्राथमिक विद्यालय जमुना कालरी में 'स्वच्छता अपनाओ, बीमारी भगाओ' अभियान के तहत विशेष स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष राम अवध सिंह एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी शशांक आर्मो के निर्देशानुसार सहयोगी संस्था शुभम सेवी संस्थान के कार्यकर्ताओं ने विद्यार्थियों को स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा और हाथ धोने के सही तरीके की जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में कम उम्र से ही स्वच्छता के प्रति जागरूकता विकसित करना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। संस्था के सदस्यों ने बच्चों को समझाया कि स्वच्छता केवल किसी विशेष दिन या अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे दैनिक जीवन की आदत बनाना जरूरी है। बच्चों को विद्यालय, घर और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। बरसात के मौसम में संक्रमण एवं विभिन्न मौसमी बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए विद्यार्थियों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई। बच्चों को बताया गया कि साफ पानी का उपयोग, आसपास गंदगी न होने देना और व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना बीमारियों से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही भोजन करने से पहले हाथों को अच्छी तरह धोने की आदत अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के बीच सामूहिक हाथ धुलाई का प्रशिक्षण भी कराया गया। संस्था के कार्यकर्ताओं ने प्रायोगिक रूप से बच्चों को समझाया कि केवल पानी से हाथ धोना पर्याप्त नहीं है। साबुन अथवा हैंडवॉश का इस्तेमाल करते हुए हथेलियों, हाथों की ऊपरी सतह, उंगलियों के बीच, नाखूनों और कलाइयों को अच्छी तरह रगड़कर साफ करना चाहिए। बच्चों को लगभग 20 से 30 सेकंड तक हाथ धोने की सही प्रक्रिया बताई गई। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण एवं शुभम सेवी संस्थान के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हाथ धोने की प्रक्रिया सीखी और अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपनाने का संकल्प लिया। संस्था के कार्यकर्ताओं ने कहा कि बच्चों को छोटी उम्र से ही स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी अच्छी आदतों के प्रति जागरूक किया जाए तो इसका सकारात्मक प्रभाव उनके परिवार और समाज तक पहुंचता है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

खेत के पानी में उतरा करंट, 50 वर्षीय कमलेश पटेल की मौके पर मौत

किसान की मौत पर घेरे में विद्युत विभाग, जर्जर तार ने ली जान

शिकायतों के बावजूद लाइन दुरुस्त नहीं करने का आरोप
शव लेकर विभागीय कार्यालय पहुंचे परिजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 10 में खेत में करंट उतरने से किसान की मौत के बाद विद्युत विभाग सवालों के घेरे में आ गया है। शनिवार को खेत में धान रोपाई की तैयारी कर रहे 50 वर्षीय कमलेश पटेल पिता कल्लू पटेल की करंट की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्युत पोल पर लगा जीआई तार लंबे समय से क्षतिग्रस्त था और इसकी जानकारी विभागीय अधिकारियों को दिए जाने के बावजूद उसे दुरुस्त नहीं कराया गया। टूटे तार के खेत के पानी में गिरने से करंट फैल गया और किसान की जान चली गई। हादसे के बाद विद्युत विभाग के खिलाफ परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव को एंबुलेंस में लेकर अधीक्षण अभियंता कार्यालय पहुंच गए और विभागीय अधिकारियों की कथित लापरवाही के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने, मृतक परिवार को उचित आर्थिक सहायता देने और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग रखी।

जर्जर तार की नहीं ली सुध, खेत में मौत बनकर उतरी बिजली

बताया गया कि कमलेश पटेल ने सुखलाल पटेल से ठेके पर खेत लिया था। शनिवार को वह धान रोपाई की तैयारी के लिए खेत की मेड़ काट रहे थे। खेत में पानी भरा था। इसी दौरान विद्युत पोल से जुड़ा क्षतिग्रस्त जीआई तार टूटकर खेत के पानी में जा गिरा। पानी में करंट फैलते ही किसान उसकी चपेट में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार करंट का झटका इतना तेज था कि कमलेश पटेल तार से चिपक गए। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने बिजली बंद कराने के बाद उन्हें बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

शिकायतों के बाद भी नहीं जागा विभाग

ग्रामीणों ने विद्युत विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्र में विद्युत लाइन और तारों की हालत लंबे समय से खराब है। कई स्थानों पर तार झूल रहे हैं और जमीन के करीब तक पहुंच गए हैं। ग्रामीणों का दावा है कि जर्जर तार को लेकर विभाग को कई बार जानकारी दी गई, लेकिन जिम्मेदारों ने समय रहते सुधार नहीं कराया। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि विभाग ने समय रहते क्षतिग्रस्त तार को बदल दिया होता तो किसान की जान बच सकती थी। हादसे ने विद्युत लाइनों के रखरखाव और विभागीय निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

शव लेकर पहुंचे विभाग के दरवाजे

पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद परिजन शव को एंबुलेंस में लेकर विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता कार्यालय पहुंच गए। यहां उन्होंने शव रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजन विभागीय अधिकारियों से लिखित आश्वासन की मांग पर अड़े रहे। प्रदर्शनकारियों ने डीई राहुल श्रीवास्तव, एई शुभम डावर, जेई सुनील पटेल, लाइनमैन अब्दुल हलीम और एसई इमरान खान सहित संबंधित जिम्मेदारों की भूमिका की जांच कर कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने संभाला मोर्चा, अधिकारियों ने की समझाइश

प्रदर्शन की सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी संजय अशोक इक्का और यातायात प्रभारी विनोद दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने भी परिजनों से बातचीत कर स्थिति शांत कराने का प्रयास किया। हालांकि परिजन मौखिक आश्वासन से संतुष्ट नहीं हुए और लिखित आश्वासन मिलने तक विरोध जारी रखने की बात कही। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर जर्जर विद्युत तार की शिकायतों के बावजूद विभाग ने समय रहते उसे दुरुस्त क्यों नहीं कराया? क्या जिम्मेदार अधिकारियों ने विद्युत लाइन के रखरखाव और सुरक्षा मानकों की नियमित जांच की थी? किसान की मौत के बाद इन सवालों के जवाब विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली और जिम्मेदारी की जांच से ही सामने आएंगे।

राजनगर मंडल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी ने 6 शक्ति केंद्रों की मासिक बैठक

राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) एवं डूमरकछार क्षेत्र के अंतर्गत अंतर्गत शक्ति केंद्रो में बैठक कि। राजनगर के शक्ति केंद्र क्रमांक एक और शक्ति केंद्र क्रमांक, दो, तीन में मासिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में मंडल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी ने विगत एक माह में संपन्न हुए संगठनात्मक कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यक्रमों की कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा की। मंडल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी में बैठक में संगठनात्मक ढांचे को और अधिक समबूत और प्रभावी बनाने के विभिन्न विषयों पर भी विचार विमर्श करते हुए अपनी बात रखी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात मासिक रेडियो कार्यक्रम में सभी से उपस्थिती कि अपील की। इस अवसर पर शक्ति केंद्र के प्रभारी, संयोजक, सहसंयोजक, लाभार्थी, प्रभारी मीडिया प्रभारी, सभी बूथो के त्रिदेव से चर्चा कर आगामी भारतीय जनता पार्टी के कार्यक्रमों के बृहद रूप से करने के लिए आए आह्वाहन किया गया। मंडल क्षेत्र के सभी शक्ति केंद्र में जाकर आगामी पार्टी के कार्यक्रमों के बारे में सभी से चर्चा की गई। 29 जुलाई गुरु पूर्णिमा को संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650 वी जयंती के उपलक्ष में

खेतों से खदानों तक पहुंची रामनगर पुलिस, नशे के खिलाफ चला रही जन-जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज राजनगर। मध्यप्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर संचालित "नशे से दूरी है जरूरी 2.0" अभियान के तहत रामनगर पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगातार जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। थाना प्रभारी सुमित कौशिक के नेतृत्व में पुलिस टीम खेतों से लेकर कोयला खदानों, स्कूलों और बैंकों तक पहुंचकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक कर रही है। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने धान की रोपाई में जुटे किसानों, कोयला खदानों में कार्यरत श्रमिकों, विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, बैंक कर्मचारियों एवं ग्राहकों सहित समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद किया। पुलिस ने लोगों को समझाया कि नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ उसके परिवार की आर्थिक स्थिति, सामाजिक प्रतिष्ठा और बच्चों के भविष्य को भी प्रभावित करती है। जन-जागरूकता कार्यक्रम

के दौरान पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार के सदस्यों, विशेषकर युवाओं एवं बच्चों को भी नशे के खिलाफ जागरूक करें। साथ ही क्षेत्र में कहीं भी अवैध मादक पदार्थों का निर्माण, बिक्री, परिवहन अथवा सेवन होने की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की गई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नशे के खिलाफ केवल पुलिस कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता से ही नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। युवाओं को नशे से दूर रखकर ही स्वस्थ और सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है। रामनगर पुलिस का उद्देश्य क्षेत्र के प्रत्येक गांव, विद्यालय, कार्यस्थल और परिवार तक नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश पहुंचाना है। पुलिस टीम द्वारा लगातार लोगों से संवाद कर नशामुक्त मध्यप्रदेश के लक्ष्य को जनसहयोग से साकार करने का आह्वान किया जा रहा है। पुलिस ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में सभी अपनी जिम्मेदारी निभाएं और स्वयं भी नशे से दूर रहें तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को के प्रयासों से सीएचसी का सिविल अस्पताल और पीएचसी बेनिवारी का सीएचसी में हुआ उन्नयन

पुष्पराजगढ़ को स्वास्थ्य सेवाओं की बड़ी सौगात

अनूपपुर। पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ी सौगात मिली है। पुष्पराजगढ़ विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को द्वारा विधानसभा में क्षेत्र के सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के उन्नयन को लेकर लगातार प्रयास किए गए। इसी क्रम में विधायक ने मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल से क्षेत्र में स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन को लेकर जानकारी चाही। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। इसके तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुष्पराजगढ़ का सिविल अस्पताल में उन्नयन किया गया है। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेनिवारी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में उन्नयन किया गया है। इन दोनों स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन से क्षेत्र के ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में रहने वाले लोगों को बेहतर और सुलभ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होने की उम्मीद है।

गंभीर मरीजों को समय पर मिलेगा उपचार

स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन से पुष्पराजगढ़ क्षेत्र के लोगों को गंभीर बीमारी अथवा आपातकालीन स्थिति में बेहतर उपचार की सुविधा स्थानीय स्तर पर मिल सकेगी। अब मरीजों को छोटी-बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए दूरस्थ जिला अस्पताल अथवा बड़े शहरों की ओर जाने की आवश्यकता कम होगी। इससे मरीजों और उनके परिजनों का समय, आर्थिक खर्च तथा परेशानी भी कम होगी। पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र का बड़ा हिस्सा ग्रामीण एवं आदिवासी अंचल में आता है, जहां कई गांव आज भी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूर-दराज के केंद्रों पर निर्भर हैं। ऐसे में पुष्पराजगढ़ सीएचसी का सिविल अस्पताल के रूप में उन्नयन और बेनिवारी पीएचसी का सीएचसी में उन्नयन क्षेत्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच दूरस्थ गांवों तक और मजबूत होगी।

विधायक ने मंत्री का जताया आभार

क्षेत्र को मिली इस स्वास्थ्य सुविधा की सौगात पर विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को ने उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल के प्रति आभार व्यक्त किया है। विधायक ने कहा कि स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन से पुष्पराजगढ़ क्षेत्र के लोगों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। गंभीर मरीजों को समय पर उपचार मिलने के साथ ही बड़े शहरों में इलाज के लिए जाने पर होने वाले अनावश्यक खर्च और परेशानी में कमी आएगी। विधायक ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार क्षेत्र के समग्र विकास से भी जुड़ा हुआ है। स्थानीय स्तर पर बेहतर चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध होने से ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी तथा क्षेत्र के विकास को भी नई गति मिलेगी।

रेलवे मजदूर कांग्रेस ने की रेल कर्मचारी जनसंपर्क यात्रा
मौहरी स्टेशन पहुंचकर कर्मचारियों से जानी समस्याएं

अनूपपुर। साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर द्वारा शनिवार 25 जुलाई को मौहरी रेलवे स्टेशन का दौरा कर रेल कर्मचारी जनसंपर्क यात्रा की गई। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने रेल कर्मचारियों से भेंट-मुलाकात कर उनकी समस्याओं और मांगों की जानकारी ली तथा समस्याओं के निराकरण के लिए उच्च अधिकारियों से चर्चा करने का आश्वासन दिया। रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण एवं मंडल समन्वयक बिलासपुर के निर्देश पर संगठन द्वारा लगातार रेलवे कॉलोनियों में पदयात्रा एवं जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान रेल कर्मचारियों से उनके आवास, वेतन एवं कार्यस्थल से संबंधित समस्याओं की जानकारी लेकर उन्हें नॉन पेमेंट मीटिंग, इनफॉर्मल मीटिंग एवं पीएनएम बैठक के माध्यम से संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाकर निराकरण कराने का प्रयास किया जाता है। जनसंपर्क यात्रा के दौरान मौहरी, हरद एवं धुरवासिन रेलवे स्टेशनों पर ट्रैक मेंटेनर स्टाफ के लिए डीटीएम के स्थायी स्टोर एवं लंच रूम के निर्माण की मांग सामने आई। कर्मचारियों ने मौहरी रेलवे कॉलोनी में सड़क निर्माण कराने की मांग भी रखी। वहीं हरद रेलवे कॉलोनी के रेल आवासों के खराब दरवाजे एवं खिड़कियों को बदलने तथा जर्जर आवासों की आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की गई। इसके अलावा मौहरी, हरद एवं धुरवासिन स्टेशनों पर नाली निर्माण कराने तथा जोनल वर्क के माध्यम से रेल आवासों की मरम्मत कराने की मांग भी संगठन के समक्ष रखी गई। मजदूर कांग्रेस पदाधिकारियों ने कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को प्राथमिकता से संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर निराकरण कराने का प्रयास किया जाएगा। जनसंपर्क यात्रा कार्यक्रम में रेलवे

अनूपपुर में दो दर्दनाक हादसों से दहला जिला

पत्नी की हत्या और गोबर गैस टंकी में गिरने से अधेड़ की मौत

चरित्र शंका में पति ने कुल्हाड़ी से पत्नी को उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले में शनिवार को दो अलग-अलग घटनाओं ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। फुनगा चौकी क्षेत्र के पयारी गांव में चरित्र शंका के चलते पति ने अपनी पहली पत्नी की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी, वहीं जैतहरी थाना क्षेत्र के सेमरवार गांव में गोबर गैस टंकी की सफाई के दौरान पैर फिसलने से 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। दोनों मामलों में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। फुनगा पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम पंचायत पयारी क्रमांक-1 में शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे मुनिया बाई घर में खाना बना रही थी। इसी दौरान उसका पति मायाराम चौधरी कुल्हाड़ी लेकर घर पहुंचा और चरित्र को लेकर संदेह जताते हुए पत्नी से विवाद करने लगा। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने कुल्हाड़ी से मुनिया बाई के सिर पर कई वार कर दिए। गंभीर चोट लगने और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही फुनगा चौकी प्रभारी सोने सिंह परस्ते पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। कोतमा एसडीओपी आरती शाक्य ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस ने आरोपी पति मायाराम चौधरी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि आरोपी की दो पत्नियां थीं और वह अपनी दूसरी पत्नी के साथ घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर पयारी गांव में रहता था। पहली पत्नी मुनिया बाई से उसके दो बेटे हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी अपनी पहली पत्नी के चरित्र को लेकर संदेह करता था। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

गोबर गैस टंकी में गिरने से 40 वर्षीय की मौत

दूसरी घटना जैतहरी थाना क्षेत्र के ग्राम सेमरवार की है। शुक्रवार शाम करीब 6 बजे 40 वर्षीय अजय सिंह राठौड़ पिता विजय सिंह राठौड़ घर के पास बनी गोबर गैस टंकी की सफाई करने पहुंचे थे। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वह गोबर से भरी टंकी में जा गिरे। हादसे के बाद करीब 20 से 30 मिनट तक वह टंकी के अंदर फंसे रहे। घर में मौजूद मां और पत्नी को जब अजय के मदद के लिए पुकारने की आवाज सुनाई दी तो उन्होंने आसपास के लोगों को बुलाया। ग्रामीणों की मदद से अजय सिंह को किसी तरह टंकी से बाहर निकाला गया। शरीर पर गोबर लगा होने के कारण उन्हें साफ किया गया और इसके बाद परिजन उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतहरी लेकर रवाना हुए। हालांकि रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। अस्पताल पहुंचने पर ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. हिमांशुधर पांडे ने जांच के बाद अजय सिंह को मृत घोषित कर दिया। चिकित्सक की सूचना पर जैतहरी पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर शव का पंचनामा तैयार किया और मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। परिजनों के अनुसार अजय सिंह पिछले करीब 20 वर्षों से घर के पास बनी गोबर गैस टंकी की सफाई करते आ रहे थे। इसी दौरान शुक्रवार को हादसा हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गए। दोनों घटनाओं को लेकर पुलिस अपने-अपने स्तर पर जांच कर रही है।

बेहतरीन कलेक्टर के रूप में याद किए जाएंगे हर्षल पंचोली- मनोज शुक्ला

अनूपपुर को मिला नया कलेक्टर, रत्नाकर झा संभालेंगे जिले की कमान

मध्यरात्रि में जारी तबादला सूची, हर्षल पंचोली को मिली भोपाल में नई जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्यप्रदेश शासन ने शुक्रवार देर रात भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों की तबादला सूची जारी करते हुए अनूपपुर जिले में नए कलेक्टर की नियुक्ति की है। वर्ष 2012 बैच के वरिष्ठ अधिकारी रत्नाकर झा को अनूपपुर का नया कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी बनाया गया है। वे वर्तमान में उज्जैन संभाग में अपर आयुक्त (राजस्व) के पद पर पदस्थ थे। उनके प्रशासनिक अनुभव को देखते हुए शासन ने उन्हें आदिवासी बहुल अनूपपुर जिले की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं, अनूपपुर के वर्तमान कलेक्टर हर्षल पंचोली का स्थानांतरण कर उन्हें भोपाल स्थित पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन का कार्यपालन संचालक नियुक्त किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार दोनों अधिकारी जल्द ही अपने-अपने नए पदों का कार्यभार ग्रहण करेंगे। रत्नाकर झा के अनूपपुर आगमन से जिले में विकास कार्यों, राजस्व प्रशासन, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, कानून-व्यवस्था और सुशासन को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। जिले के जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और सामाजिक संगठनों ने उनके स्वागत की तैयारी शुरू कर दी है। वहीं, हर्षल पंचोली ने अपने कार्यकाल के दौरान जिले में प्रशासनिक सुधार, जनसुनवाई, विकास कार्यों की सतत निगरानी, पर्यावरण संरक्षण, राजस्व प्रकरणों के निराकरण और विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाई। उनके कार्यकाल को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रदेश सरकार के इस प्रशासनिक फेरबदल को राज्य स्तर पर सुशासन और प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब जिले की निगाहें नए कलेक्टर रत्नाकर झा के कार्यभार ग्रहण करने और उनकी प्राथमिकताओं पर टिकी हैं।

बेहतरीन कलेक्टर के रूप में याद किए जाएंगे हर्षल पंचोली- मनोज शुक्ला

किसी भी प्रशासनिक अधिकारी की पहचान केवल सरकारी आदेशों से नहीं, बल्कि उसके कार्यों के प्रभाव और आमजन के बीच बनी छवि से होती है। अनूपपुर के कलेक्टर के रूप में हर्षल पंचोली का कार्यकाल इसी कसौटी पर उल्लेखनीय माना जाएगा। उन्होंने शासन की योजनाओं को कागजों से निकालकर धरातल तक पहुंचाने का सतत प्रयास किया। अपने कार्यकाल के

दौरान उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और आधारभूत सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता दी। शासकीय विद्यालयों की व्यवस्थाओं में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने तथा सड़क निर्माण एवं विकास कार्यों में तेजी लाने की दिशा में प्रशासन की सक्रियता स्पष्ट दिखाई दी। इन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव जिले के विकास कार्यों में देखने को मिला। हर्षल पंचोली की कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता टीमवर्क रही। वे अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच समन्वय स्थापित कर जवाबदेही तय करने के पक्षधर थे। उनकी कार्यशैली का उद्देश्य प्रशासनिक तंत्र को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाना था, जिसका असर विभिन्न विभागों के कार्यों में भी दिखाई दिया। आदिवासी बहुल एवं भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण अनूपपुर जिले में विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किसी भी प्रशासनिक अधिकारी के लिए आसान नहीं होता। सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने विकास कार्यों को गति देने का प्रयास किया, जिसे जिले के लोगों ने महसूस भी किया। निस्संदेह प्रत्येक अधिकारी के कार्यकाल का मूल्यांकन अलग-अलग दृष्टिकोण से किया जा सकता है और हर कार्यकाल की अपनी सीमाएं भी होती हैं। इसके बावजूद यह स्वीकार करना होगा कि हर्षल पंचोली ने अपने दायित्वों का निर्वहन विकास और जनहित को केंद्र में रखकर किया। आज जब उनके स्थानांतरण की चर्चा है, तब जिले के अनेक लोगों के बीच उनकी कार्यशैली और विकास कार्यों की सकारात्मक छवि बनी हुई है। एक सक्षम, संवेदनशील और विकासोन्मुख प्रशासक के रूप में उनका कार्यकाल अनूपपुर की प्रशासनिक यात्रा में लंबे समय तक याद किया जाएगा। यही किसी भी लोकसेवक की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।